



Jitendra Bhardwaj

16 Oct 1991

04:00 AM

Dibai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121678812

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 15-16/10/1991
दिन _____: मंगल-बुधवार
जन्म समय _____: 04:00:00 घंटे
इष्ट _____: 54:16:52 घटी
स्थान _____: Dibai
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:13:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 03:43:00 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:18:48 घंटे
सूर्योदय _____: 06:17:15 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:48:19 घंटे
दिनमान _____: 11:31:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 28:19:26 कन्या
लग्न के अंश _____: 27:09:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: उत्तराषाढा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: सूर्य
योग _____: सुकर्मा
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: नकुल
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

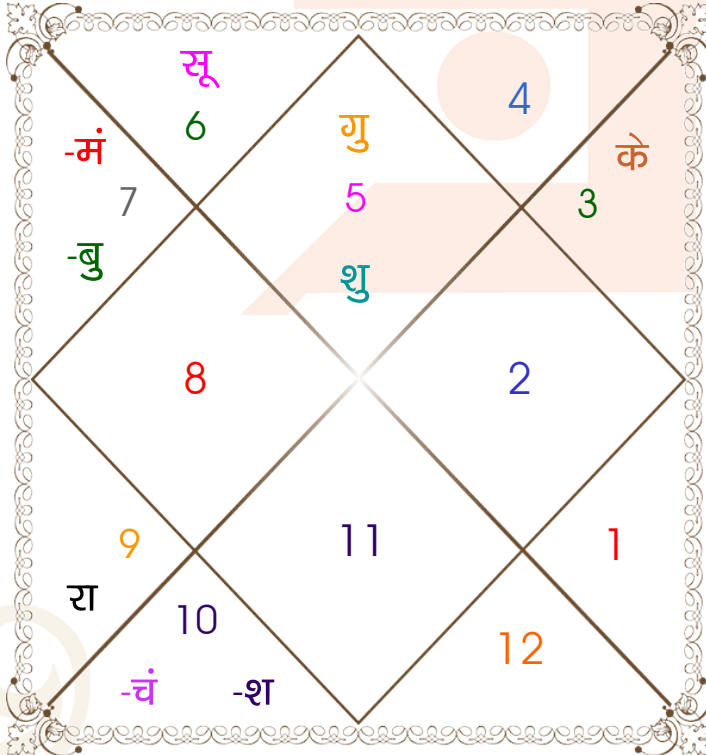
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:09:19	318:33:37	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	28:19:26	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	00:33:16	11:48:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल	अ		तुला	05:40:27	00:40:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध	अ		तुला	06:49:19	01:36:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:58:25	00:10:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	13:06:19	00:49:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			मक	06:32:40	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	19:53:33	00:00:07	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	19:53:33	00:00:07	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	नीच राशि
हर्ष			धनु	16:23:18	00:01:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप			धनु	20:20:56	00:00:39	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	25:26:26	00:02:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	26:47:27	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

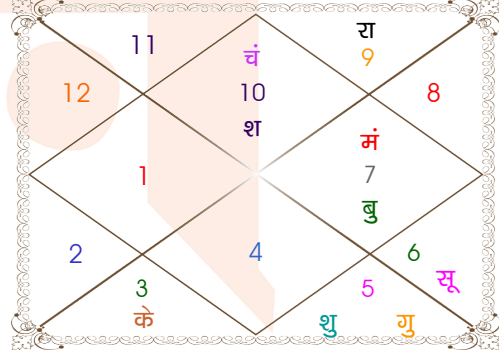
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:48

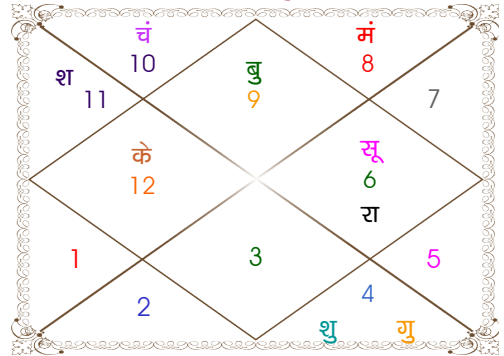
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 3 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
16/10/1991	15/01/1996	15/01/2006	14/01/2013	15/01/2031
15/01/1996	15/01/2006	14/01/2013	15/01/2031	15/01/2047
00/00/0000	चंद्र 15/11/1996	मंगल 13/06/2006	राहु 28/09/2015	गुरु 04/03/2033
00/00/0000	मंगल 16/06/1997	राहु 01/07/2007	गुरु 20/02/2018	शनि 15/09/2035
16/10/1991	राहु 15/12/1998	गुरु 06/06/2008	शनि 27/12/2020	बुध 21/12/2037
राहु 02/02/1992	गुरु 15/04/2000	शनि 16/07/2009	बुध 17/07/2023	केतु 27/11/2038
गुरु 21/11/1992	शनि 15/11/2001	बुध 13/07/2010	केतु 03/08/2024	शुक्र 28/07/2041
शनि 03/11/1993	बुध 16/04/2003	केतु 09/12/2010	शुक्र 04/08/2027	सूर्य 16/05/2042
बुध 09/09/1994	केतु 15/11/2003	शुक्र 09/02/2012	सूर्य 28/06/2028	चंद्र 15/09/2043
केतु 15/01/1995	शुक्र 16/07/2005	सूर्य 15/06/2012	चंद्र 27/12/2029	मंगल 21/08/2044
शुक्र 15/01/1996	सूर्य 15/01/2006	चंद्र 14/01/2013	मंगल 15/01/2031	राहु 15/01/2047

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
15/01/2047	15/01/2066	15/01/2083	15/01/2090	16/01/2110
15/01/2066	15/01/2083	15/01/2090	16/01/2110	00/00/0000
शनि 18/01/2050	बुध 12/06/2068	केतु 13/06/2083	शुक्र 16/05/2093	सूर्य 05/05/2110
बुध 27/09/2052	केतु 10/06/2069	शुक्र 12/08/2084	सूर्य 16/05/2094	चंद्र 04/11/2110
केतु 06/11/2053	शुक्र 09/04/2072	सूर्य 18/12/2084	चंद्र 15/01/2096	मंगल 12/03/2111
शुक्र 05/01/2057	सूर्य 14/02/2073	चंद्र 19/07/2085	मंगल 16/03/2097	राहु 17/10/2111
सूर्य 18/12/2057	चंद्र 16/07/2074	मंगल 15/12/2085	राहु 17/03/2100	00/00/0000
चंद्र 20/07/2059	मंगल 14/07/2075	राहु 03/01/2087	गुरु 16/11/2102	00/00/0000
मंगल 27/08/2060	राहु 30/01/2078	गुरु 10/12/2087	शनि 16/01/2106	00/00/0000
राहु 04/07/2063	गुरु 07/05/2080	शनि 17/01/2089	बुध 16/11/2108	00/00/0000
गुरु 15/01/2066	शनि 15/01/2083	बुध 15/01/2090	केतु 16/01/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रुचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं हैं बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।